Raj Express (Indore), 19th December 2024, Page-11

1,370 प्रतिभागी एथलेटिक्स, फुटबॉल, बैडमिंटन, स्क्वैश, भारोत्तोलन और शतरंज जैसी स्पर्धाओं में हुए शामिल

खेल भावना, टीम वर्क और सौहार्द्र का भाव आया नजर

23 आईआईटी से 2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने 12 स्पर्धाओं में लिया भाग

57 वीं इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट का समापन

● इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में आईआईटी कानपुर के साथ संयुक्त रूप से पहली बार प्रतिष्ठित 57 वीं इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट का समापन हुआ। यह आयोजन संस्थान के लिए एक ऐसा निर्णायक क्षण बन गया, जो खेल कौशल और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इस वर्ष, सभी 23 आईआईटी से 2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने 12 स्पर्धाओं में भाग लिया। आईआईटी इंदौर में 1,370 प्रतिभागियों ने एथलेटिक्स, फुटबॉल, बैडमिंटन, स्क्वैश, भारोत्तोलन और शतरंज जैसी स्पर्धाओं में भाग लेने के साथ, इस प्रतियोगिता में खेल भावना, टीम वर्क और सौहार्द का भाव समाहित था जो आईआईटी की विचारधारा को दर्शाता है। उद्घाटन समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल के. एच. गवास, कमांडेंट, एमसीटीई, महू बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने में खेलों के महत्व को बताया। कहा कि खेल किसी व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक कौशल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह बात

प्रेरणादायक है कि आईआईटी शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ खेलों को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। यह कथन आईआईटी इंदौर और आईआईटी समुदाय की समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रतियोगिता और विजेता

प्रतियोगिता में शतरंज में शानदार रणनीति खेल देखने को मिली, जिसमें पुरुष वर्ग में आईआईटी बॉम्बे शीर्ष चैंपियन रही। वहीं बैडमिंटन के पुरुष वर्ग में आईआईटी कानपुर और महिला वर्ग में आईआईटी खड़गपुर ने अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वर्गों में जीत हासिल की। स्क्वैश मैच भी उतने ही रोमांचक रहे, जहां पुरुष वर्ग में आईआईटी दिल्ली और महिला वर्ग में आईआईटी बॉम्बे चैंपियन रही। फुटबॉल में आईआईटी गुवाहाटी चैंपियन, भारोत्तोलन प्रतियोगिता में पुरुष एथलीटों ने अविश्वसनीय प्रदर्शन किया, जिसमें आईआईटी रोपड़ ने सर्वाधिक वजन उठाकर खिता जीता। एथलेटिक्स में ट्रैक और फील्ड इवेंट में कुछ सबसे तीव्र और रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिले। 100 से लेकर 5 हजार मीटर, बाधा दौड़ और रिले के साथ-साथ हाईजंप, लॉन्गजंप, ट्रिपलजंप, पोलवॉल्ट, शॉटपुट, डिस्कसथ्रो,जेवलिन थ्रो और हैमर थ्रो जैसी फील्ड इवेंट में एथलीटों ने प्रदर्शन किया।

युवा एथलीटों की कड़ी मेहनत व समर्पण का प्रमाण

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा यह आयोजन न सिर्फ प्रतिस्पर्धा के बारे में ही नहीं बल्कि यह सहयोग, प्रेरणा और एकता के बारे में भी है। यह एथलेटिक उत्कृष्टता का उत्सव है और इसमें भाग लेने वाले युवा एथलीटों की कड़ी मेहनत व समर्पण का प्रमाण है। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राकेश सिंघई ने खेलों से जुड़े मूल्यों पर बात की। उन्होंने कहा यह प्रतियोगिता हमें याद दिलवाती है कि सच्ची उत्कृष्टता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा से नहीं, बल्कि एकता, पारस्परिक सम्मान और खेल भावना का जश्न मनाकर साझा दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त की जाती है।